आधाफ़ुल के कारनामों की और भी हैं कहानियां।

सारी पढ़ डालो, एक भी कहानी छूट न जाए।

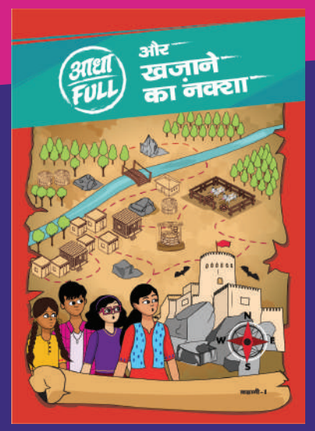

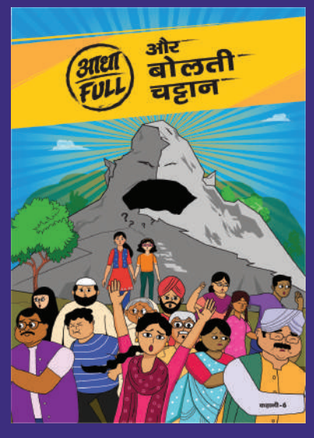

Developed and created by **BBC Media Action**
with support from **UNICEF, DOVE** and **the Centre for Appearance Research**

आधा FULL और फिल्मस्टार का अपहरण

कहानी – 3

- नाम : किट्टी
- उम्र : 16 साल
- कक्षा : ग्यारहवीं
- गुण : जोश भी है और होश भी
- *किट्टी के लिए कुछ भी इंपोसिबल नहीं

किट्टी

बदलीपुर की 'टीम' आधाफ़ुल

- नाम : अदरक
- उम्र : 15 साल
- कक्षा : सातवीं के बाद स्कूल छोड़ दिया
- गुण : एक नंबर का जुगाड़ू
- *अदरक के पास तरकीब की भरमार है।

अदरक

- नाम : तारा
- उम्र : 12 साल
- कक्षा : सातवीं
- गुण : जानकारी की चलती फिरती किताब
- *तारा कभी झूठ नहीं बोलती

तारा

तीनों बदलीपुर में रहते हैं। तीनों को जासूसी करने का बड़ा शौक है। बदलीपुर में कुछ भी होता है तो तीनों पहुँच जाते हैं केस को सुलझाने। इन तीनो ने मिलकर एक टीम बनाई है जिसका नाम है, आधाफ़ुल।

एक दिन किट्टी रानू के घर आई तो रानू मेकअप कर रही थी।

धीरे-धीरे रानू समीरा जैसी न दिख पाने के कारण उदास रहने लगी।

एक दिन अख़बार में एक खबर छपी।

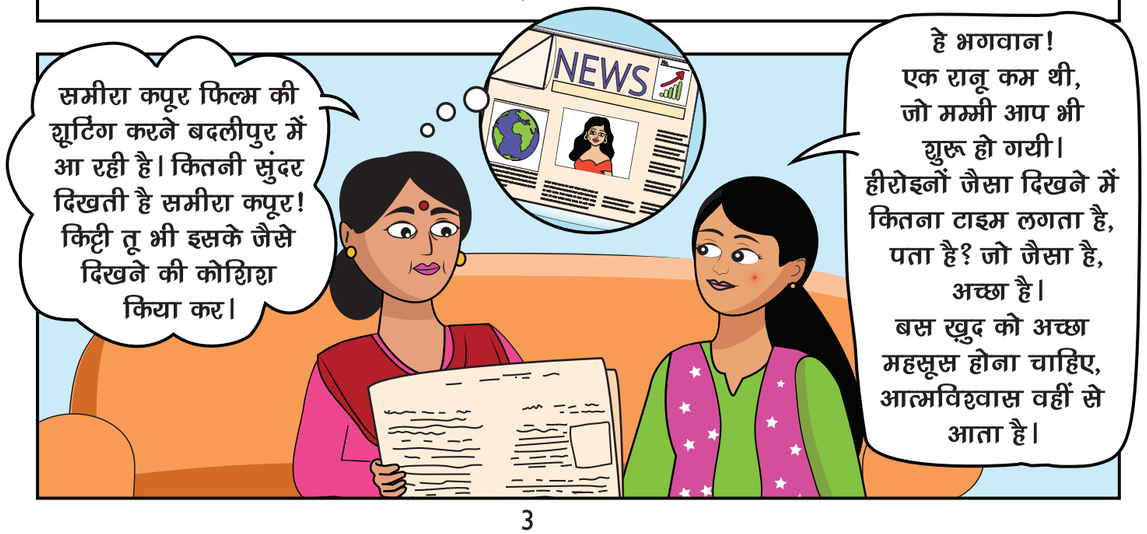

बदलीपुर के छंटे हुए बदमाश चंदू-चंपा को समीरा कपूर के बदलीपुर में आने की बात पता चलती है।

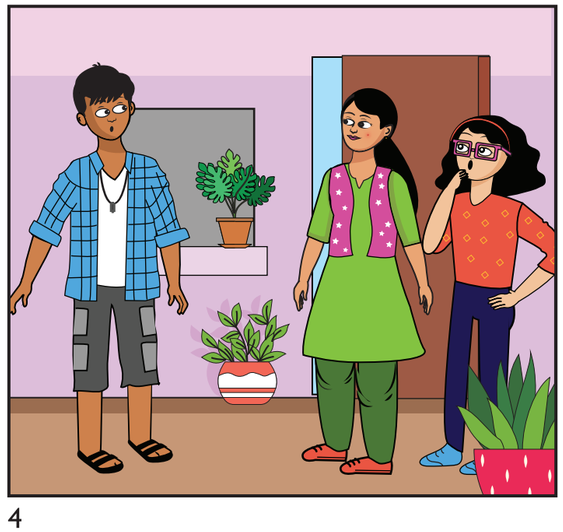

अदरक जाकर किट्टी, तारा को चंदू-चंपा की सारी योजना बता देता है।

तीनों होटल राजमहल पहुंचते हैं।

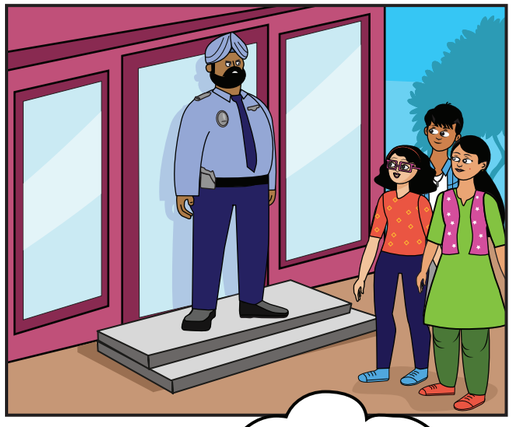

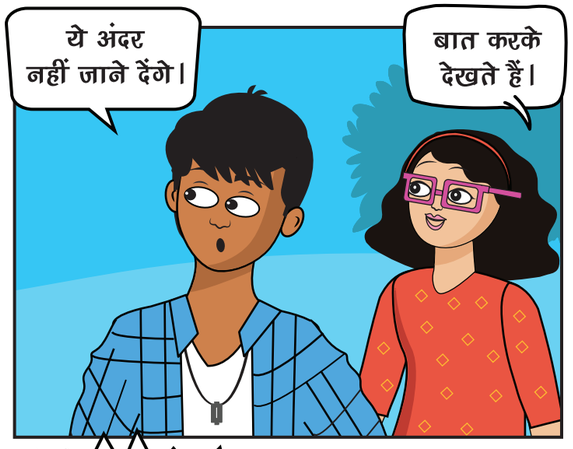

मिलना बहुत जरूरी है, अंकल जी।

एक बार मना किया ना। चलो, निकलो यहां से।

अब क्या करें?

इतना पहरा है तो चंदू-चंपा अपहरण नहीं कर पाएंगे। हम चलते हैं।

उसी समय चंदू-चंपा पाइप के सहारे ऊपर चढ़ रहे थे।

चंपा, मौका अच्छा है।

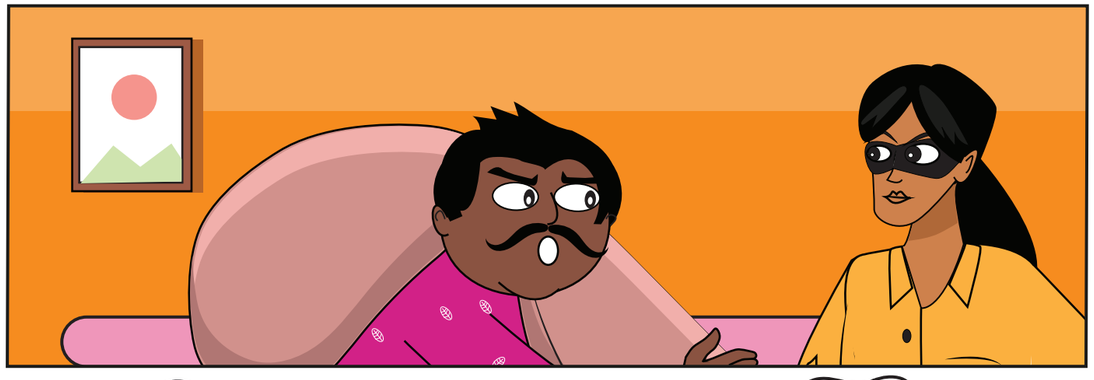

ये दोनों तो चंदू-चंपा हैं न।

चंपा, जल्दी चल कोई देख लेगा।

हां, उनके पास वो क्या है?

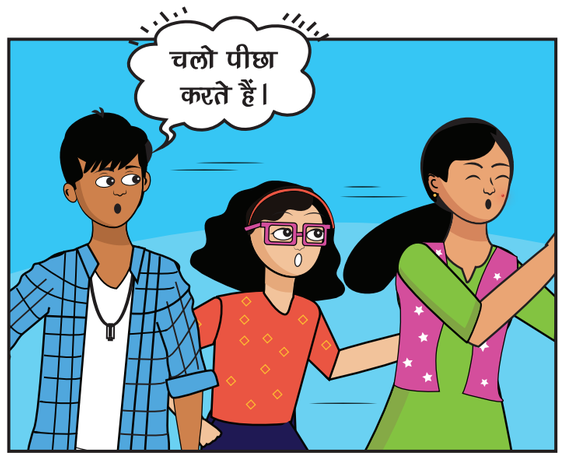

अड्डे पर पहुंचकर चंदू-चंपा
बोरे से निकालकर जब समीरा को देखते हैं तो चौंक जाते हैं।

आधाफुल की टीम अड्डे पर पहुंचती है।

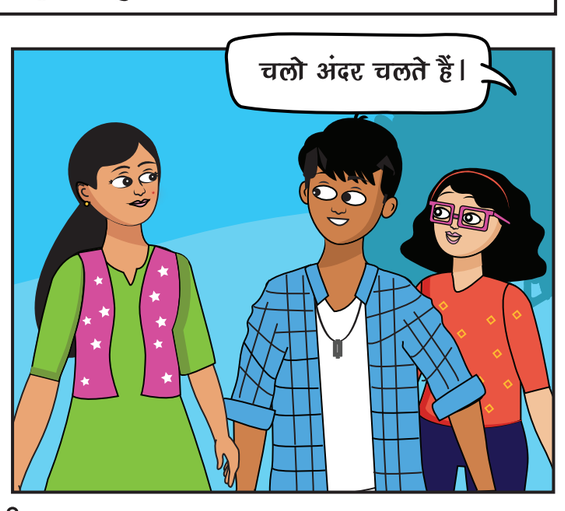

तीनों ने मिलकर समीरा को आज़ाद कराया।
हाथ खोलते हुए किट्टी ने समीरा को देखा तो बोल पड़ी।

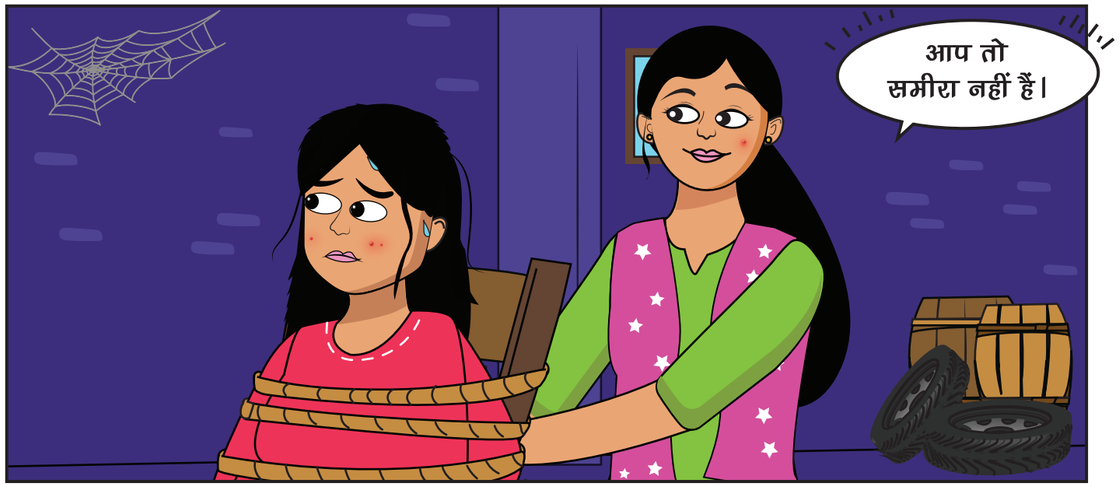

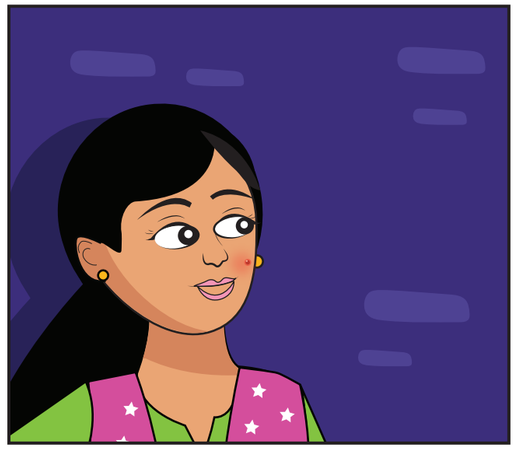

किट्टी ने समीरा को रानू के बारे में सब कुछ बता दिया।

चारों रानू के घर आते हैं।

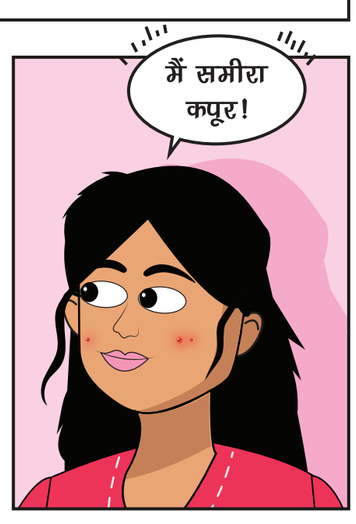

मैं समीरा ही हूं और बिना मेकआप के मैं ऐसी ही दिखती हूं। जब हम विज्ञापनों के लिए तस्वीरें खिंचवाते हैं तो हमें तैयार करने के लिए पूरी टीम काम करती है। सबसे पहले हमारा मेकअप होता है, बाल बनाये जाते हैं और हमें अच्छे कपड़े पहनाये जाते हैं। उसके बाद हमारी फोटो खींची जाती है। उस फोटो में और बदलाव लाया जाता है ताकि हम और सुंदर दिखें। जैसे, हमें और गोरा बनाया जाता है। लंबा किया जाता है और चेहरे के दाग धब्बे मिटाये जाते हैं।

झूठ। वो तो बहुत सुंदर दिखती है। आप तो मेरे ही जैसी हो।

सच्ची कह रही हैं आप?

जिस तरह मैं विज्ञापनों में दिखती हूं, वो इसलिए है ताकि मुझे देखकर और लोग अपने लुक्स के बारे में बुरा महसूस करें। इससे यह होता है कि लोग वो सारी चीज़ें खरीद लेते हैं जो मैं विज्ञापनों में बेचने की कोशिश करती हूं। लेकिन जब यह सामान काम नहीं करता, तब वो और बुरा महसूस करते हैं। क्योंकि जो हम विज्ञापनों में देखते हैं वो असलियत नहीं होती। जो खूबसूरती हम टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं वो बनावटी होती है।

अरे तुमको नहीं पता, वो फिल्म वाला लुक पाने के लिए क्या क्या करना पड़ता है। घण्टों आईने के सामने बैठकर मेकअप कराना पड़ता है, वो भी बहुत महंगा वाला। मेकअप हुआ तो फिर हेयर स्टाइलिस्ट आ जाता है, वो बाल बनाता है। एकदम पक जाती हूँ बैठे-बैठे। तब जाकर ये लुक मिलता है, जिसको तुम लाइक करते हो। इसलिए मुझसे अपनी तुलना तो तुमको करनी ही नहीं चाहिए।

और ये है कि आप जैसा दिखने के लिए परेशान हो रही है।

हां, घर से बाहर भी नहीं निकलती, सोचकर कि आप जैसी नहीं दिख रही।

जो खूबसूरती हम टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं वो बनावटी होती है। इसलिए मेरे जैसा दिखने की कोशिश मत करो और ना ही मुझ से अपनी तुलना करो।

मैं समझ गयी। क्या मैं आपको गले लगा सकती हूँ?

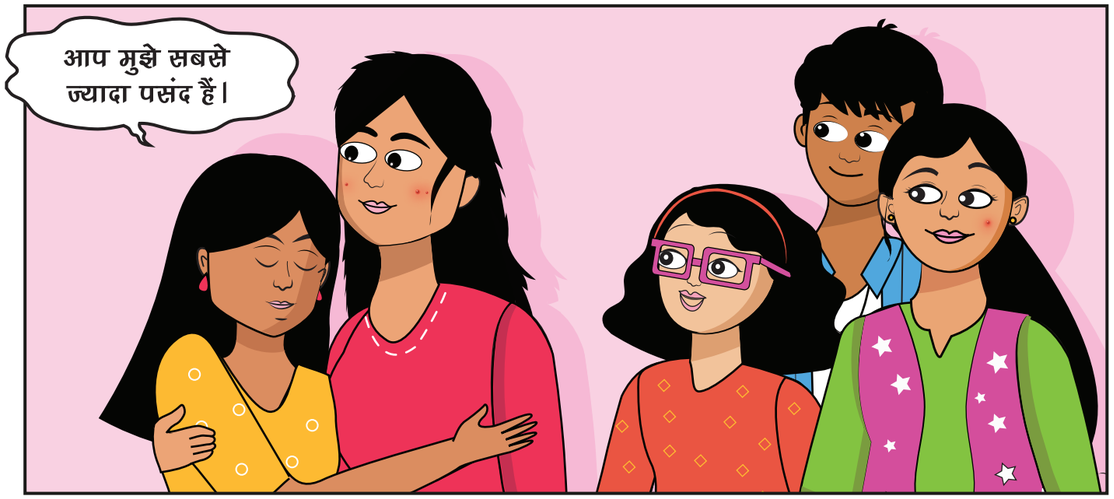

अगले दिन सब रेलवे स्टेशन आते हैं, समीरा को टाटा करने।

समाप्त

कहानी की सीख

इस कहानी से आपने क्या सीखा?

जिस तरह से लोग टीवी, फिल्मों और विज्ञापनों में दिखते हैं, वो असलियत नहीं है। जब उनकी तस्वीरें लेने के लिए उन्हें तैयार किया जाता है तो उस पर एक बड़ी टीम काम करती है। सबसे पहले उनका मेकअप होता है, बाल बनाये जाते हैं और उन्हें अच्छे कपड़े पहनाये जाते हैं। उसके बाद उनकी फोटो खींची जाती है। उस फोटो में और बदलाव लाया जाता है। जैसे, लंबा किया जाता है और चेहरे के दाग-धब्बे हटाये जाते हैं, ताकि वो और सुंदर दिखें।

जो हम टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं, वो इसलिए दर्शाये जाते हैं ताकि हमें अपने और अपने लुक्स के बारे में बुरा लगे और हम सारी चीज़ें खरीदें जिससे हमें लगता है कि आदर्श रूप को प्राप्त किया जा सकता है।

इसलिए हम जो भी टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं उससे हमें अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। क्योंकि जो भी हम देखते हैं वो सच नहीं होता है और ना ही उसे पाया जा सकता है। वो सिर्फ सामग्री बेचने की योजना है जो अंत में हमें सिर्फ दुःख पहुंचाती है।

अवश्य खेलें

थोड़ा समय निकालिए और सोचिए कि इस कहानी से आपने क्या सीखा।

अब कॉलम **A** में दिए गये वाक्यों को पढ़ें और एक वाक्य को उन कारणों से जोड़ें जो कॉलम **B** में हैं और आपके हिसाब से सबसे ज्यादा उपयुक्त हैं।

A	B
1 तस्वीर खींचने के बाद उनमें बदलाव लाया जाता है।	1 यह श्रृंगार सामग्री बेचने के लिए किया जाता है।
2 विज्ञापनों में जो सुंदरता दिखायी जाती है वो सच्चाई नहीं होती।	2 यह लुक्स को बदलने के लिए किया जाता है जैसे कि रूप को और गोरा बनाने के लिए।
3 जिस प्रकार की सुंदरता हम तस्वीरों में देखते हैं, वो पाना असंभव है।	3 उन्हें तैयार करने के लिए पूरी टीम काम करती है।
4 विज्ञापन में जिन अभिनेताओं को हम देखते हैं उनसे हमें अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए।	4 क्योंकि वो सच्चाई नहीं है और ऐसी सुदंरता पाना असंभव है।

इच्छा हो तो यह भी खेलें

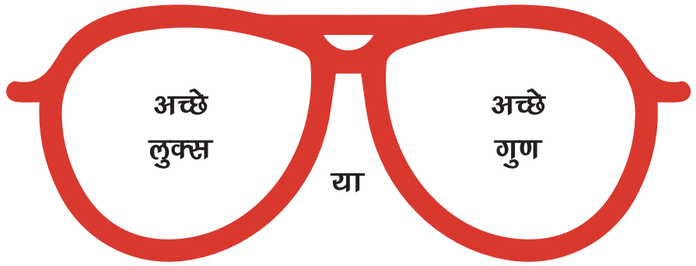

थोड़ा सा समय निकालें और अपने सबसे प्रिय मित्र के बारे में सोचें। अब उसके ऐसे कोई पांच गुणों के बारे में सोचें जिसके कारण आप उसे सबसे ज्यादा चाहते हैं।